११९. बीती रैना, आया सवेरा

दोहा : *पुकारती रहती है दुनिया युगयुग प्रभू का नाम ।*
आता है और जाता है वो करके अपना काम ॥
अंधे मूढ न जाने उसका करते है उपहास ।
उसके प्रेमी और भक्तजन पाते प्रेम प्रकाश ॥

बीती रैना आया सवेरा गावत मंगल राग
जाग रे जाग रे जाग रे मानव जाग ॥धृ.॥

धरती जागी जागा अंबर, पक्षी गावत सुंदर सुस्वर
आये आये कहते मेहेर, अवतारे प्रभूराज ॥१॥

मेहेरका है रूप मनोहर, देखत होवे पुलकीत अंतर
वारी सुंदरता सब उसपर, धरती के सिरताज ॥२॥

Scanned by CamScanner

मेहेर लाये प्रेमकी धारा, पी ले कर जीवन उजियारा
जुग-जुग मे ये अनुपम बेला, आयी बढा ले हाथ ॥३॥

निर्जीव मायामे बह जाते, जिंदा जो है तर जातें है
मधुसूदन जो मेहेर जपते उनके जागे भाग ॥४॥

Scanned by CamScanner